पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

नयनतारा को चंद्रमुखी के मेकर्स ने भेजा लीगल नोटिस

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
वर्ष : 42 ■ अंक : 261 ■ गुरुवार, 9 जनवरी 2025 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
epaper.ulhasvikas.com

पुलिस ने 65 लाख मूल्य के चोरी हुए सामान लौटाए

- मोबाइल, सोना व वाहनों का समावेश
- उल्हासनगर पुलिस उपायुक्त झोन 4 द्वारा हस्तांतरण कार्यक्रम
- नागरिकों ने पुलिस का आभार प्रकट किया
- रेजिंग डे कार्यक्रम पर मिला नागरिकों को तोहफा

उल्हासनगर. उल्हासनगर उपायुक्त परिमंडल 4 के अंतर्गत चोरी हुए मोबाईल फोन, सोना व वाहनों को चोरों से बरामद करने के बाद उनके असली मालिकों को लौटाया गया। उल्हासनगर-3 स्थित सिंधु भवन में पुलिस उपायुक्त परिमंडल-4 द्वारा हस्तांतरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें नागरिकों के चोरी हुए 200 से अधिक मोबाईल फोन, सोने के गहने और वाहनों को पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे के हाथों लौटाया गया। माल की कुल किंमत 65 लाख रुपए बताई गई है। चोरी हुआ सामान बरामद होने पर नागरिकों ने पुलिस प्रशासन को धन्यवाद दिया है. पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे, सहायक पुलिस आयुक्त अमोल कोली, सहायक पुलिस आयुक्त शैलेश काले और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शंकर अवताडे, विष्णु तम्हाने, अनिल पडवाल, अनिल जगताप, रमेश पाटिल, अनिल थोरवे, किरण बलवाडकर आदि पुलिस कर्मी एवं नागरिकगण उपस्थित थे।

'रोड रोलर' से कुचलने से श्रमिक की मौत

भिवंडी. भिवंडी में निर्माण स्थल पर सो रहे एक मजदूर के ऊपर 'रोड रोलर' चढ़ने से उसकी मौत हो गयी. इस संदर्भ में कोनगांव पुलिस मामला दर्ज कर जांच शुरू की है.

बताया गया कि यह घटना मंगलवार अपराह्न करीब दो बजे की है जब श्रमिक प्रकाशकुमार लड्डू महंतो दोपहर के भोजन के बाद निर्माण स्थल के पास खड़े 'रोड रोलर' के सामने सो रहा था. 'रोड रोलर' चालक ने बिना देखे वाहन चला दिया, जिससे श्रमिक की कुचलकर मौत हो गई. बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए भिवंडी के एक सरकारी अस्पताल भेजा गया. पुलिस ने बताया कि प्रकाशकुमार के एक सहकर्मी की शिकायत के

मनपा मुख्यालय कब होगा भ्रष्टाचार मुक्त !

उल्हासनगर मनपा आयुक्त विकास ढाकने का हुआ तबादला, चार माह ही चला कार्यकाल

- विकास ढाकने उपमुख्यमंत्री कार्यालय में उपसचिव नियुक्त
- मूलभूत सुविधाओं से वंचित शहरवासी
- अंबरनाथ नपा के प्रशासक रसाल के नाम की चर्चा

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका में चार माह पूर्व 22 अगस्त 2024 को आयुक्त के रूप में 40 वर्षीय विकास ढाकने की महाराष्ट्र शासन ने नियुक्ति की थी। लेकिन कल अचानक उनका तबादला उपमुख्यमंत्री कार्यालय के उपसचिव के तौर पर कर दिया गया। हालांकि यह इतना चौंकाने वाला नहीं था क्योंकि उन्होंने अपने कार्यकाल में ऐसा कोई यादगार कार्य नहीं किया जिसे कोई याद कर सके। कुछ दिनों पूर्व उन्होंने शहर विकास के लिए व्यापक परिवर्तन करते हुए मिशन 50 शुरू किया था जो अब अधूरा ही रह गया। उन्होंने कई योजनाएं इन्फ्रास्ट्रक्चर के तहत बनाई थी जिसकी शुरुआत तक नहीं हुई। उनके स्थान पर अंबरनाथ नपा के प्रशासक डॉ. प्रशांत रसाल के नाम की चर्चा है लेकिन उनसे इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अभी तक मुझे शासन की ओर से कोई आदेश नहीं आया है। ऐसे में अब उल्हासनगर मनपा को नए आयुक्त का इंतजार है।

ढाकने का मिशन 50 रह गया अधूरा

कुछ दिनों पूर्व आयुक्त ढाकने ने पत्रकारों को जानकारी के दौरान बताया था कि उल्हासनगर मनपा की पुरानी इमारत को तोड़कर यहां 15 मंजिला पिरामिड आकार की नई इमारत बनाई जाएगी जिससे बनाने में 410 करोड़ का फंड लगेगा। निर्माण के दौरान मनपा मुख्यालय उपविभागीय कार्यालय में स्थानांतरित किया जाएगा। इसी के साथ उन्होंने मिशन 50 के बारे में जानकारी दी थी जिसमें सड़कों के निर्माण के साथ खुद का जल स्त्रो, शहर की सीमा का विस्तार, जापान

की तर्ज पर बोन्साई गार्डन, केबी रोड पर मल्टीलेवल उड्डान पुल, स्कूलों को विकसित करना जैसी योजनाएं उन्होंने बनाई थी। क्या इन योजनाओं को नए आयुक्त आगे बढ़ाएंगे या फिर नए आयुक्त अपने तरीके से कार्य करेंगे। यह तो समय ही बताएगा।

नए आयुक्त के इंतजार में मनपा मुख्यालय

फिलहाल आयुक्त व प्रशासक विकास ढाकने के तबादले के बाद अब शहर को नए आयुक्त का इंतजार है। शहर को आज भी उम्मीद है कि शहर में एक दिन एक आयुक्त ऐसा भी आएगा जो मनपा मुख्यालय को भ्रष्टाचार मुक्त करेगा और शहर की समस्याओं से शहरवासियों को निजात दिलाने के लिए कार्य करेगा।

कल्याण में ट्रक ने मां-बेटे को कुचला

- दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत
- मनसे सहित नागरिकों ने रास्ता रोका

कल्याण. कल्याण पश्चिम के लालचौकी इलाके में बुधवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक चालक ने सड़क पार कर रही एक महिला और उसके बच्चे को कुचल दिया। दोनों को तुरंत मनपा के रुक्मिणीबाई अस्पताल ले जाया गया। उससे कुछ समय पहले ही उनकी मृत्यु हो गई थी। इस घटना को लेकर शहर में आक्रोश है।

पूर्व मनसे विधायक प्रकाश भोईर ने आरोप लगाया कि महानगर पालिका, एमएमआरडीए और यातायात पुलिस की निष्क्रियता की बलि मां-बेटा चढ़े हैं. उन्होंने इस मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर लालचौकी क्षेत्र में सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया। नागरिकों ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मृतक मां और बच्चे की पहचान निशा सोमेसकर (37) और अंश सोमेसकर (3) के रूप में हुई है। सबसे व्यस्त सड़क शिवाजी चौक से दुर्गाडी ब्रिज तक है। इस सड़क पर सभी प्रकार के वाहन तेज गति से चलते हैं। बुधवार की सुबह निशा सोमेसकर अपने बेटे अंश के साथ लालचौकी इलाके से गुजर रही थीं। लालचौकी पर सड़क पार करते समय उन्हें दूर से एक ट्रक

दिखाई दिया। लेकिन तभी तेज रफ्तार ट्रक ने निशा और अंश को अपनी चपेट में ले लिया। ट्रक की टक्कर से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों को तुरंत मनपा के रुक्मिणीबाई अस्पताल ले जाया गया। उससे कुछ समय पहले ही उनकी मृत्यु हो गई थी। नागरिकों ने ट्रक चालक की लापरवाही पर कड़ा रोष व्यक्त किया। यातायात पुलिस और आरटीओ अधिकारी शहर में तेज गति से चलने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करते हैं। पूर्व मनसे विधायक प्रकाश भोईर ने इसकी आलोचना करते हुए कहा कि इसी कारण ये दुर्घटनाएं होती हैं। घटना की सूचना मिलने पर बाजार पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया। इस ट्रक पर लगे चिन्ह से पता चलता था कि यह कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका की सेवा में है।

मनसे ने किया विरोध प्रदर्शन

पूर्व विधायक प्रकाश भोईर ने मां-बेटे की दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए लालचौकी में सड़कों पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। यह सड़क एमएमआरडीए के नियंत्रण में है। इसलिए कल्याण डोंबिवली महानगर पालिका इस सड़क पर ध्यान नहीं देती है। इस सड़क पर वाहनों को मोड़ने के लिए डिवाइडर मनमाने ढंग से बनाए गए हैं। एमएमआरडीए के अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इस व्यस्त सड़क पर कोई यातायात पुलिस तैनात नहीं है। इसलिए, चालक लापरवाही से और तेज़ गति से वाहन चलाते हैं। पूर्व विधायक भोईर ने कहा कि इसमें निर्दोष लोगों की जान चली गई है। इस सड़क पर हटाए गए डिवाइडर पुनः लगाए जाने चाहिए। भोईर ने मांग की कि यातायात पुलिस इस व्यस्त सड़क पर लगातार गश्त करे।

बैल बाजार में प्रतिबंधित दवाओं के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

कल्याण. मानव शरीर के लिए हानिकारक प्रतिबंधित दवाओं के भंडार के साथ दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों कल्याण के कोनगांव, भोईवाड़ा के निवासी हैं। बाजार पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है ताकि पता लगाया जा सके कि दोनों ने ये प्रतिबंधित दवाएं कहां से लाई थीं और किसे बेचने जा रहे थे।

पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे की अवैध कारोबार विरोधी कार्रवाई दस्ते के कांस्टेबल राजेंद्र सोनावणे की शिकायत के आधार पर इन दोनों लोगों के खिलाफ बाजारपेठ पुलिस स्टेशन में औषधि एवं प्रसाधन सामग्री बिक्री, खतरनाक एवं प्रतिबंधित औषधि अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे ने कल्याण और डोंबिवली शहरी क्षेत्रों में अपराध पर नकेल कसने के लिए

विभिन्न टीमों का गठन किया है। अवैध कारोबार से निपटने के लिए एक कार्रवाई दल का गठन किया गया है। यह टीम रात में कल्याण शहर में गश्त कर रही थी। उस समय, पुलिस टीम ने कल्याण पश्चिम में बैल बाजार के कल्याण कृषि उपज बाजार समिति क्षेत्र में फोर्टिस अस्पताल रोड पर दो लोगों को संदिग्ध रूप से काम करते देखा। दस्ते ने अपना ध्यान उनकी ओर लगाया। उसी समय वे दोनों भागने की कोशिश करने लगे। टीम ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके सामान की तलाशी ली। उन्हें उसमें कोडीन युक्त दवा की 40 बोतलें मिलीं। पुलिस ने इन दवाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने पाया कि ये दवाएं सरकार द्वारा प्रतिबंधित थीं और मानव शरीर के लिए हानिकारक थीं। ये दवाइयां हिमाचल प्रदेश में निर्मित होती हैं।

पुलिस दोनों को बाजारपेठ थाने ले आई। कांस्टेबल राजेंद्र सोनवणे ने उनके खिलाफ बाजारपेठ पुलिस स्टेशन में सरकार द्वारा प्रतिबंधित और मानव शरीर के लिए हानिकारक दवाओं का स्टॉक रखने और बिक्री के लिए इस्तेमाल करने का मामला दर्ज कराया। जिस व्यक्ति पर मामला दर्ज किया गया है वह 33 वर्षीय नौकरीपेशा है। वे कल्याण पश्चिम के भोईवाड़ा इलाके में सखाराम सोडेवाली चॉल क्षेत्र में रहता है। एक रिक्शा चालक है। वह दुर्गाडी ब्रिज के पास कोनगांव में रहता है। सहायक पुलिस निरीक्षक तुलसीराम राठौड़ ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मिठाई में नशीली दवा खिलाकर नाबालिग से बलात्कार

आरोपी उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार

कल्याण. मानपाड़ा पुलिस स्टेशन की सीमा में एक नाबालिग लड़की को मिठाई के रूप में नशीला पदार्थ देकर बलात्कार करने की घटना घटी है। अपराधी ने पीड़िता को बार-बार प्रताड़ित किया तथा लड़की और उसके भाई को जान से मारने की धमकी दी। मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज होते ही व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने उसे खोज निकाला और उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी का नाम संदीप कुमार (उम्र 32) है।

पुलिस के अनुसार, नाबालिग पीड़िता और अपराधी उत्तर प्रदेश के निवासी हैं और एक-दूसरे को जानते थे। जीवन-यापन के लिए वे भंगार इकट्ठा करके थे। संदीप पीड़ित परिवार के बगल में रहता

था। वह जनवरी 2022 से पीड़िता को परेशान कर रहा था। अक्टूबर 2024 में संदीप ने पीड़िता को मिठाई के रूप में नशीला पदार्थ देकर उसके घर में ही उसके साथ बलात्कार किया।

पीड़िता के डर का फायदा उठाकर उसने उसे और उसके भाई को जान से मारने की धमकी दी तथा बार-बार अत्याचार किया। आखिरकार पीड़ित लड़की ने मनपाड़ा पुलिस स्टेशन पहुंचकर दिसंबर 2024 में संदीप के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर संदीप की तलाश शुरू कर दी है।

मानपाड़ा पुलिस को सूचना मिली कि संदीप भागकर उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले के अपने पैतृक गांव चला गया है।

मानपाड़ा पुलिस ने मामला उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से आई एसटीएफ टीम को सौंप दिया। इस पुलिस टीम ने 4 जनवरी को उत्तर प्रदेश के मरवटिया स्थित कुर्मी गांव की सीमा में जाल बिछाकर संदीप को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ने कपिलवस्तु थाने में उसकी गिरफ्तारी दर्ज कर ली और छह जनवरी को आरोपी को मानपाड़ा पुलिस के हवाले कर दिया।

सोन्या बैल के मालिक पाटिल की गुंडागर्दी CCTV में कैद

- मानपाड़ा पुलिस में मामला दर्ज
- महिलाओं को भी पीटा
- पानी कनेक्शन पर विवाद

कल्याण. बैलगाड़ी रेस के लिए मशहूर सोन्या बैल के मालिक जयेश पाटिल और धरम पाटिल डोंबिवली के पास सोनारपाड़ा गांव में गुंडागर्दी की हद तक पहुंच गए हैं। यहां पर नल कनेक्शन को लेकर हुए विवाद के बाद जयेश पाटिल और धरम पाटिल ने 31 वर्षीय चंद्रकांत ठाकुर की बेरहमी से पिटाई की और उनके परिवार की महिलाओं को लाठी-डंडे से मारने की धमकी दी गई. यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है परिसर में दहशत का माहौल है। डोंबिवली के मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में मारामारी का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

हत्या के मामले में 3आरोपी बरी

ठाणे. प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एस.बी. अग्रवाल ने 13 साल पुराने एक हत्या मामले में तीन आरोपियों को बरी कर दिया है. न्यायाधीश ने फैसला सुनाने के दौरान अपनी टिप्पणी में कहा कि घटनाओं के क्रम एवं गवाह के बयान में खामियां हैं. उन्होंने अभियोजन पक्ष के सबूतों में कई विसंगतियां उजागर कीं, जिसके कारण आरोपियों को बरी कर दिया गया. अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपियों ने 7 जुलाई 2011 को महाराष्ट्र के ठाणे शहर के कलवा में व्यक्तिगत विवाद के चलते इकबाल यासीन पठान पर धारदार हथियार से हमला करके उसकी हत्या कर दी थी.

मृतक के भाई रफीक यासीन पठान की शिकायत के आधार पर पुलिस ने हत्या, गैरकानूनी ढंग से एकत्र होने और अन्य अपराधों के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की.

अंबरनाथ में रिक्शा चालक की मौत का जिम्मेदार प्रशासन

- अधिकारियों पर अपराध दर्ज करें
- मनसे विभाग अध्यक्ष की तहसीलदार से मांग

अंबरनाथ. अंबरनाथ में गत दिनों केबी सड़क के बीच मौजूद विद्युत पोल से टकरा कर हादसे में एक रिक्शा चालक आरिफ शेख की मौत हो गई थी. आसिर की मौत का जिम्मेदार नगर परिषद, महावितरण, एमएमआरडीए के अधिकारी हैं. उन पर पुलिस में अपराध दर्ज करने की मांग महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना शहर पश्चिम के विभाग अध्यक्ष विशाल गायकवाड़ ने तहसीलदार को एक निवेदन देकर की है.

विदित हो कि गत कई वर्षों से सड़क के बीच के विद्युत पोल से टकरा कर अब तक 5 रिक्शा चालकों की मौत हो चुकी है. जिसके कारण रिक्शा चालकों एवं शहरवासियों में भारी रोष व्याप्त है. विशाल का कहना है कि अगर के. बी. सड़क चौड़ीकरण के तुरंत बाद इन विद्युत पोल को प्रशासन हटा देता तो रिक्शा चालकों की मौत नहीं होती. अधिकारियों ने इसमें लापरवाही और गैर जिम्मेदारी को अपनाया है. इसलिए निर्दोष रिक्शा चालक आरिफ की भी मौत हुई है. उन्होंने तहसीलदार से मांग की है कि अधिकारियों पर सदोष मनुष्यवध का अपराध दर्ज कराएं. नहीं तो वह तहसील कार्यालय के समक्ष आमरण अनशन पर बैठ जाएंगे. ऐसी चेतावनी विशाल ने प्रशासन को दी है.

अनिल सालवी 6 साल के लिए कांग्रेस पार्टी से निलंबित

ठाणे. कांग्रेस के पूर्व ठाणे शहर जिला अध्यक्ष अनिल सालवी को कांग्रेस पार्टी से छह साल के लिए निलंबित कर दिया गया है. ठाणे शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष एड. विक्रांत चव्हाण ने कहा कि हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में गठबंधन धर्म का उल्लंघन करते हुए सालवी ने महायुति के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार का चुनाव प्रचार किया. अनुशासन का उल्लंघन करने के लिए पार्टी की तरफ से कार्रवाई की गई है.

ठाणे शहर कांग्रेस अध्यक्ष एड.चव्हाण की तरफ से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह बात सामने आई है कि सालवी ने विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार के लिए प्रचार करने के बजाय महायुति की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के उम्मीदवार नजीब मुल्ला के लिए सार्वजनिक रूप से प्रचार किया .

अनिल सालवी ने कांग्रेस पार्टी के ध्येय और नीतियों के विपरीत गठबंधन सिद्धांत का पालन न करके पार्टी अनुशासन का उल्लंघन किया है.

एक्सप्रेस में भीड़ का फायदा उठाकर महिला से छेड़छाड़

कल्याण. मुंबई से कल्याण तक एक्सप्रेस से यात्रा करते समय 23 वर्षीय एक व्यक्ति ने भीड़ का फायदा उठाकर 22 वर्षीय सॉफ्टवेयर डेवलपर महिला के साथ छेड़छाड़ की। महिला ने उस व्यक्ति से पूछताछ की और तुरंत इसकी सूचना रेलवे पुलिस को दी। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज कर लिया है।

शिकायतकर्ता महिला कल्याण क्षेत्र में रहती है। वह एक सॉफ्टवेयर डेवलपर है। कल्याण लोहमार्ग पुलिस स्टेशन की पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता महिला चार दिन

पहले रात करीब 10 बजे एक्सप्रेस ट्रेन से मुंबई से कल्याण की ओर आ रही थी। एक्सप्रेस में भीड़ थी। वह एक्सप्रेस में खड़े होकर यात्रा कर रही थी क्योंकि बैठने के लिए जगह नहीं थी। इस समय उनके बगल में एक 23 वर्षीय व्यक्ति खड़ा था। यह व्यक्ति इस महिला के करीब आने की कोशिश कर रहा था। महिला ने शुरू में बहस से बचने के लिए पुरुष से दूर खड़े होने की कोशिश की। हालांकि, कल्याण रेलवे स्टेशन पहुंचने से पहले संबंधित व्यक्ति महिला के काफी करीब आ गया और उसके साथ अश्लील हरकतें और छेड़छाड़ की। उसने तुरंत रेलवे पुलिस को घटना की सूचना दी।

महिला ने कल्याण लोहमार्ग पुलिस स्टेशन जाकर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने व्यक्ति की पहचान कर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। संबंधित 23 वर्षीय व्यक्ति एक कर्मचारी है। यह व्यक्ति कल्याण पश्चिम के वारदान गली इलाके में रहता है। लोहमार्ग पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पंढरी कांदे के नेतृत्व में पुलिस उपनिरीक्षक खोंडे जांच कर रहे हैं।

घोड़बंदर रोड पर रात में हैवी वाहनों को नो इंट्री

ठाणे. घोडबंदर रोड पर 8 से 20 जनवरी तक रात के 11 बजे से सुबह के 4 बहे तक भारी वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. इस दौरान मेट्रो रेल परियोजना के खंभों पर गर्डर चढ़ाया जाएगा. इस संदर्भ में ट्रैफिक पुलिस की तरफ से अधिसूचना जारी की गयी है.

गौरतलब हो कि मुंबई मेट्रो -4 परियोजना के तहत घोड़बंदर में गायमुख मेट्रो लाइन पर गर्डर निर्माण कार्य किया जाना है. घोडबंदर रोड पर बड़ी संख्या में भारी वाहनों का आवागमन होता है. भारी वाहनों को उरण स्थित जेएनपीटी बंदरगाह से गुजरात और नासिक की ओर ले जाया जाता है. ये वाहन घोड़बंदर होते हुए गुजरात की ओर जाते हैं. इन वाहनों को दिन और रात में चलने की अनुमति है. वर्तमान में मेट्रो लाइन का निर्माण व मेट्रो स्टेशन बनाने का काम चल रहा है. ठाणे यातायात शाखा के पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट ने 8 से 20 जनवरी तक रात 11 बजे से सुबह 4 बजे तक घोड़बंदर रोड पर भारी यातायात पर प्रतिबंध लगा दिया है. यह यातायात परिवर्तन नागालाबंदर सिग्नल से इंडियन ऑयल पंप तक और नागालाबंदर से भायंदरपाड़ा तक लागू किए गए हैं. इस मार्ग पर अन्य वाहनों के आवागमन को साइड सर्विस रोड पर मोड़ दिया गया है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास – लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

जस्टिन ट्रूडो का इस्तीफा

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आखिर सोमवार को सत्ताधारी लिबरल पार्टी के नेता और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे की घोषणा कर दी। पिछले कई महीने से वे जिस तरह के जद्दोजहद से गुजर रहे थे, नीतिगत मुद्दों पर भी एक तरह के ऊहापोह और अस्पष्टता के शिकार दिख रहे थे, उससे साफ था कि उनके सामने कई ऐसी चुनौतियां हैं, जिनका सामना कर पाना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। एक ओर, वे कनाडा में अपने नेतृत्व के प्रति बढ़ते असंतोष, महंगाई और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों का कोई उचित हल पेश नहीं कर पा रहे थे, तो दूसरी ओर विदेश नीति के मामले में भी उनके रुख पर कई हलकों में हैरानी जताई जा रही थी।

अपनी स्थितियों का शिकार हुए ट्रूडो

ट्रूडो के सत्ता में आने के बाद उम्मीद की गई थी कि आंतरिक मोर्चे पर नीतिगत और जमीनी स्तर पर जनता के हक में बदलाव लाने के साथ-साथ विदेश नीति के मोर्चे पर वे नए समीकरण खड़े करेंगे। मगर बीते कुछ समय से कनाडा में जैसे हालात बन रहे थे, उसमें ट्रूडो के इस्तीफे को उनकी अपनी ही स्थितियों का शिकार होने के तौर पर देखा जा रहा है।

कनाडा में कुछ समय पहले हुए एक सर्वेक्षण में सामने आया था कि पहली बार जब ट्रूडो प्रधानमंत्री बने थे, तब उन्हें तिरसठ फीसद लोग पसंद करते थे, लेकिन अब उनका समर्थन करने वालों की तादाद महज अट्ठाईस फीसद रह गई है। पार्टी और सरकार के ढांचे में भी उन्हें लेकर एक तरह का द्वंद्व चल रहा था।

अर्थव्यवस्था की खस्ता हालत, हर स्तर पर बेकाबू महंगाई और भ्रष्टाचार के कई मामलों पर अस्पष्ट रुख की वजह से उनकी लोकप्रियता में लगातार गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा, भारत के साथ कूटनीतिक संबंधों के मामले में शायद सिर्फ अपने आग्रहों या नाहक जिद की वजह से ट्रूडो ने लगातार हालात बिगड़ने दिए। हालत यह है कि दोनों देशों के संबंधों में सुधार का रास्ता अब सिर्फ कनाडा की सत्ता में बदलाव को ही माना जा रहा है। अब यह देखने की जरूरत है कि ट्रूडो के बाद कनाडा में सत्ता का नया समीकरण आंतरिक और विदेश नीति के मोर्चे पर क्या रुख अपनाता है।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की विरासत का मूल्यांकन

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद मध्य वर्ग से लेकर कारोबार जगत और औद्योगिक एवं राजनीतिक गलियारों में शोक जताया गया। खांटी नेता न होते हुए भी उन्होंने राजनीतिक मोर्चे पर इतना कुछ हासिल किया, जिसकी कुछ लोग सिर्फ कल्पना ही कर सकते हैं। डा. सिंह एक बुद्धिजीवी भी थे और उन्होंने भारतीय नीतिगत परिदृश्य पर अपनी व्यापक छाप छोड़ी।

हालांकि इसे भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि राजनीतिक पटल के शीर्ष पर बैठे लोग जिस प्रकार नीतियों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं, उसमें डा. सिंह अपेक्षित रूप से असर नहीं छोड़ पाए। चाहे प्रधानमंत्री का दायित्व हो या फिर उससे पहले वित्त मंत्री का, उनकी भूमिका मुख्य रूप से वास्तविक राजनीतिक शक्ति से लैस दिग्गजों के सहायक-सलाहकार की ही रही, जिन्होंने स्वीकार्य नीतियों को नौकरशाही के जरिये लागू करने का काम किया।

जब वह प्रधानमंत्री थे तो पूरी राजनीतिक शक्ति सोनिया गांधी के पास थी, जो उस समय तमाम निर्णायक फैसलों से जुड़ी रहीं। उनके पास ही वह शक्ति थी, जिससे वह मनमोहन सिंह को कोई भी फैसला लेने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ ही उन्हें किसी निर्णय को लेने से रोक भी सकती थीं। इसी तरह जब डा. सिंह वित्त मंत्री थे, तब वस्तुतः प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने ही अर्थव्यवस्था के उदारीकरण को हरी झंडी दिखाई। यह एक विडंबना ही है कि राव को भारतीय इतिहास में वह सम्मान और स्थान नहीं मिला, जिसके वह सर्वथा सुपात्र थे।

उन्होंने शीत युद्ध के बाद अस्थिरता वाले वैश्विक दौर में भारत को सही राह दिखाई और 6 दिसंबर, 1992 की घटना को लेकर उन पर चाहे जितने सवाल उठें, इससे उनकी विरासत संदिग्ध नहीं हो जाती। राजनीति में सक्रिय लोगों की यात्रा उतार-चढ़ाव वाले विभिन्न पड़ावों से होकर गुजरती है। बेशक राजनीतिक परिवारों से आने वालों की राह भी आसान नहीं रहती, लेकिन जिनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं होती, उनके लिए यह यात्रा और कठिन हो जाती है।

जो किसी तरह के प्रत्यक्ष चुनाव के जरिये आगे बढ़ते हैं, वही असल राजनीतिक राह के पथिक बनते हैं। चुनावों के जरिये मिलने वाले राजनीतिक सबक ही किसी को खांटी नेता के रूप में ढालते हैं। उससे उन्हें समझ आता है कि जनता की नब्ज को कैसे भांपना है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण यह है कि ऐसे नेता जनता का भरोसा जीतने में सफल होते हैं, क्योंकि वे लंबे समय तक उनके साथ संवाद से जान जाते हैं कि लोगों के मन में क्या है और वे क्या चाहते हैं? वे लोगों के सुख-दुख के साथी बन जाते हैं।

यह कुछ ऐसा अनुभव है, जिसे अकादमिक जगत के लोग, टेक्नोक्रेट और निजी क्षेत्र के पेशेवर शायद कभी अर्जित नहीं कर पाएं। इसलिए यह पूरी तरह उचित ही है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में वही लोग उच्च राजनीतिक पदों पर बैठने के योग्य हैं, जो लोगों का भरोसा जीत पाएं। प्रधानमंत्री के मामले में यह पहलू और भी उल्लेखनीय हो जाता है। यह ऐसा पद नहीं, जिसे कभी आउटसोर्सिंग से भरा जाना चाहिए। यह मनमोहन सिंह की उपलब्धियों, अनुभव और व्यक्तित्व का अवमूल्यन करने का प्रयास नहीं, बल्कि इसका सरोकार भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के व्यापक हित से जुड़ा है। लोग जनादेश के जरिये ही अपना भाग्य-विधाता चुनते हैं और ऐसा व्यक्ति किसी अन्य को अपने अधिकार नहीं सौंप सकता। भले ही वह व्यक्ति लंबे समय से राज्यसभा में ही क्यों न रहा हो। देश 2004 से 2014 के बीच इन्हीं स्थितियों का साक्षी रहा।

जनादेश की यह कसौटी जवाहरलाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी और नरेन्द्र मोदी तक लागू होती है। मोदी जनादेश के दम पर ही राजग का नेतृत्व कर रहे हैं। क्या यह उचित रहता कि वह पर्दे के पीछे से सक्रिय रहकर किसी पेशेवर को प्रधानमंत्री का पद सौंप देते? इस बिंदु पर विचार तक नहीं किया जा सकता, क्योंकि लोगों की ही यही अपेक्षा है कि जब तक उनकी चाहत है, तब तक मोदी ही नेतृत्व करें।

निःसंदेह यह नहीं कहा जा सकता कि नेताओं या प्रधानमंत्री की राजनीतिक मजबूरियां या आग्रह नहीं होते। निःसंदेह ऐसा होता है और वे उन्हीं के दायरे में अपने विकल्प चुनते हैं।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

यदि हरेक व्यक्ति आंतरिक शांति प्राप्त कर ले और दूसरों से दया व करुणा से पेश आने लगे, तो संसार में बाहरी शांति स्थापित होने में देर नहीं लगेगी।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

कोरोना के बाद सामने आया नया खतरा

एक बार फिर कोरोना विषाणु की तरह के एक विषाणु ने दस्तक दी है- ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस यानी एचएमपीवी। इसका प्रसार भी चीन से शुरू हुआ है। भारत में भी कुछ लोगों में इसका संक्रमण पाया गया है। इसके लक्षण और प्रभाव लगभग कोरोना विषाणु जैसे ही हैं। यह भी श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है। संक्रमित व्यक्ति को बुखार, सिर दर्द रहता और सांस लेने में तकलीफ होती है। अभी इसका संक्रमण बच्चों में देखा गया है और कोई गंभीर प्रभाव दर्ज नहीं हुआ है।

मगर इस विषाणु की दस्तक से स्वाभाविक रूप से चिंता बढ़ गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों और जिला प्रशासन को इसे लेकर सतर्क रहने का निर्देश दे दिया है। संदिग्ध मामलों की तुरंत जांच और उपचार की व्यवस्था करने को कहा गया है। हालांकि सरकार लोगों को लगातार आश्वस्त कर रही है कि इस विषाणु को लेकर बहुत परेशान होने की जरूरत नहीं है। इसके गंभीर परिणाम नहीं हो रहे।

आसानी से इसका उपचार किया जा पा रहा है। मगर इससे बचाव के एहतियाती, कोविड की तरह उचित सावधानियां बरतना जरूरी है। विषाणु से पैदा होने वाली बीमारियां लापरवाही की वजह से ही फैलती हैं, इसलिए एचएमएनवी के मामले में भी लोगों से एहतियाती सावधानियां बरतने की अपेक्षा की जा रही हैं।

हालांकि विषाणु से फैलने वाली बीमारियों के बारे में अंतिम रूप से कुछ भी दावा करना मुश्किल होता है कि वे भविष्य में क्या रूप ले सकती हैं। इसलिए कि विषाणु अपना स्वरूप बदलते रहते हैं। अक्सर वे शीर्ष घातक रूप में पहुंचने के बाद कमजोर होना शुरू हो जाते हैं। कोरोना के मामले में भी शुरू-शुरू में दावा किया गया था कि एहतियाती उपाय अपना कर इससे बचा जा सकता है। मगर इस विषाणु ने अपना स्वरूप बदला तो अधिक शक्तिशाली रूप में प्रकट हुआ और दुनिया भर में उससे निपटना कठिन हो गया।

अब कोरोना विषाणु की पहचान के संसाधन और कारगर टीके उपलब्ध हैं। लगभग सभी लोगों को ये टीके लगाए भी जा चुके हैं। जिनमें प्रतिरोधक क्षमता कमजोर थी, उन्हें अतिरिक्त खुराक भी दी जा चुकी है। इस तरह ज्यादातर लोगों की प्रतिरोधक क्षमता मजबूत हुई है। मगर एचएमपीवी को लेकर अभी अध्ययन चल रहे हैं कि यह कोरोना से कितना भिन्न और घातक है। इसके संक्रमण में कौन-सी दवाएं प्रभावी साबित होंगी। अच्छी बात है कि स्वास्थ्य विभाग शुरूआती चरण में ही सतर्क हो गया है और इसके संक्रमण पर निगरानी रख रहा है। मगर संक्रामक बीमारियों में सावधानी ही उनके रोकथाम का सबसे बड़ा हथियार होती है। कोरोना के मामले में देखा गया कि बहुत सारे लोगों ने लापरवाही बरती। बार-बार अपील के बावजूद मुंह ढकने, उचित दूरी बनाने, भीड़भाड़ न बढ़ाने, हाथ धोते रहने जैसे एहतियाती उपायों पर अमल नहीं किया। उसका नतीजा हुआ कि संक्रमण तेजी से फैला। श्वसन तंत्र को प्रभावित करने वाले विषाणु सांसों के जरिए तेजी से फैलते हैं।

एक संक्रमित व्यक्ति एक साथ कई लोगों को संक्रमित कर सकता है। इसलिए उचित दूरी बना कर रहने से इसका खतरा कम हो जाता है। जो लोग पहले से बीमार हैं, जिनकी प्रतिरोधक क्षमता कमजोर है, वे बहुत जल्दी संक्रमित हो जाते हैं। ये सब बातें जानते-बूझते भी बहुत से लोग लापरवाही बरतते हैं। एचएमपीवी छोटे बच्चों को अधिक प्रभावित कर रहा है, इसलिए विशेष रूप से उनका ध्यान रखने और सावधानी बरतने की जरूरत है।

किस देश में नहीं है ट्रैफिक लाइट, बिना सिग्नल कैसे संभलती है भीड़?

जरा हट के

दिल्ली हो या मुंबई, बेंगलुरु हो या कोलकाता, आजकल भारत के हर महानगर में आपको इतना ट्रैफिक मिलेगा कि लोग ट्रैफिक सिग्नलों आधे-आधे घंटे तक जाम में फंसे रह जाते हैं.

भारत ही नहीं, दुनिया के बहुत से देशों में रोड पर ट्रैफिक जाम लगना आम बात है. ट्रैफिक सिग्नल इसी जाम को संचालित करने और भीड़ को संभालने के काम आता है. पर दुनिया में एक ऐसा भी देश है, जहां ट्रैफिक लाइट नहीं है. ये देश इतना अनोखा है कि अगर आप इसके बारे में जान गए, तो आप यहां पर जरूर घूमने जाएंगे.

इंस्टाग्राम यूजर और ट्रैवल कपल हडसन और एमिली सोशल मीडिया पर रोचक वीडियोज पोस्ट करते हैं. हाल ही में उन्होंने एक देश का वीडियो पोस्ट किया, जहां एक भी ट्रैफिक लाइट नहीं है.

वीडियो में एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी भीड़ को नियंत्रित करता दिखाई दे रहा है. इस देश का नाम भूटान है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर भी बहुत से लोगों ने पूछा कि वो कौन सा देश है, जहां ट्रैफिक लाइट नहीं है?

कौन सा है वो देश?

कोरा पर लोगों ने भूटान का ही जिक्र किया, हालांकि, कुछ लोगों ने ये भी बताया कि भूटान के शहर थिम्फू में कुछ ट्रैफिक लाइट्स हैं, मगर बाकी देश में नहीं हैं. विश्वस्नीय सोर्सेज की बात करें तो टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक भूटान में एक भी ट्रैफिक लाइट्स नहीं हैं. वहीं बीबीसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि भूटान की राजधानी थिम्फू में देश की एक मात्र ट्रैफिक लाइट थी, जो 24 घंटे के लिए लगी थी. उसे फिर हटा दिया गया था. अब पुलिसकर्मी ट्रैफिक को संभालते हैं, उनकी वजह से ट्रैफिक संभल जाता है. इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया गया, जिसमें ट्रैफिक कर्मी भीड़ संभालता दिख रहा है.

अमरूद की खट्टी-मीठी सब्जी

खाना-खजाना

सर्दियों में आने वाला फल अमरूद भारत में खूब खाया जाता है। अमरूद में शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट और फाइबर ब्लड शुगर के लेवल को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। क्योंकि इस फल में फाइबर अच्छी मात्रा में होता है इसलिए ये पाचन के लिए भी अच्छा माना जाता है। इस फल के कई फायदे हैं इसलिए हर कोई इसे अपनी पसंद के मुताबिक खाता है। कुछ लोग घर पर इसकी स्ट्रीट स्टाइल चाट बनाकर खाते हैं तो वहीं कुछ लोग इसकी चटनी बनाकर खाते हैं। भारत के हर राज्य का खान पान अलग-अलग है। बात करें एमपी और यूपी की तो वहां का खान पान पूरी तरह से अलग है। यहां पर लोग अमरूद की सब्जी बनाकर खाना पसंद करते हैं। ये सब्जी स्वाद में काफी अलग होती है और पुड़ी पराठों के साथ इसका स्वाद डबल हो जाता है। यहां हम बता रहे हैं अमरूद की खट्टी-मीठी सब्जी बनाने का तरीका, आप भी सीखिए टेस्टी सब्जी की रेसिपी-

सामग्री:

पके हुए अमरूद, घी, जीरा, हींग, नमक, लाल मिर्ची पाउडर, धनिया पाउडर, हल्दी पाउडर, चीनी और जरूरत के मुताबिक पानी।

विधि :

सब्जी बनाने के लिए सबसे पहले अमरूद को पानी से धो लें और फिर इसके बीज निकाल कर छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। अब एक कढ़ाई में घी गर्म करें। अच्छे से गर्म होने के बाद इसमें जीरा और हींग डालें। फिर इसके चटकने पर सभी मसाले और जरा सा पानी डालकर मसाले को अच्छे से भून लें। जब मसाला भुन जाए तो इसमें अमरूद डालें और अच्छे से मिलाएं। फिर पानी डालकर कुछ देर के लिए ढक दें। जब सब्जी में गाढापन आ जाए तो इसमें चीनी डालकर अच्छे से मिला दें।चीनी के घुलते ही अच्छे से मिक्स करें। खट्टी-मीठी सब्जी तैयार है, इसे पराठे-पुड़ी के साथ सर्व करें।

ठंड में बढ़ सकती है सोरायसिस के मरीजों की तकलीफ

■ मैनेज करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

सर्दी के मौसम में हवा में ह्युमिडिटी कम हो जाती है और इस कारण स्किन ड्राई होने लगती है। इसकी वजह से सोरायसिस से पीड़ित लोगों को और भी ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

ठंडी हवा और कम ह्युमिडिटी त्वचा को रूखा बना देती है, जिससे सोरायसिस के लक्षण और भी बढ़ सकते हैं। आइए जानते हैं सर्दी के मौसम में किस तरह सोरायसिस को मैनेज कर सकते हैं।

■ सर्दियों में सोरायसिस क्यों बढ़ जाता है?

त्वचा की नमी का कम होना- सर्दियों में ठंडी हवा और कम ह्युमिडिटी के कारण त्वचा की नमी कम हो जाती है। इससे त्वचा रूखी और खुजलीदार हो जाती है, जिससे सोरायसिस के लक्षण और भी बिगड़ जाते हैं।

इम्यून सिस्टम पर असर- सर्दियों में इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है, जिससे सोरायसिस के लक्षणों में बढ़ोतरी हो सकती है।

कपड़े- गर्म कपड़े पहनने से पसीना आता है, जिससे त्वचा में जलन होती है और सोरायसिस के लक्षण बढ़ सकते हैं।

विटामिन-डी की कमी- सर्दियों में धूप कम निकलती है, जिससे विटामिन-डी की कमी हो जाती है। विटामिन-डी सोरायसिस को कंट्रोल करने में अहम भूमिका निभाता है।

सर्दियों में सोरायसिस को कैसे मैनेज करें?

- **त्वचा को नम रखें-** नियमित रूप से मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें। नहाने के तुरंत बाद मॉइश्चराइजर लगाएं, ताकि त्वचा की नमी बनी रहे।
- **गुनगुने पानी से नहाएं-** गर्म पानी से नहाने से त्वचा रूखी हो जाती है। इसलिए गुनगुने पानी से नहाएं और नहाने के बाद तुरंत मॉइश्चराइजर लगाएं।
- **हल्के कपड़े पहनें-** सूती कपड़े पहनें जो त्वचा को सांस लेने दें। ऊनी कपड़े से बचें, क्योंकि वे त्वचा को खरोंच सकते हैं।
- **विटामिन-डी लें-** डॉक्टर की सलाह से विटामिन-डी की खुराक लें।
- **हेल्दी डाइट लें-** फलों, सब्जियों, और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर डाइट लें।
- **तनाव कम करें-** तनाव सोरायसिस के लक्षणों को बढ़ा सकता है। योग, ध्यान, या अन्य तनाव कम करने वाली एक्टिविटीज करें।
- **दवाएं लें-** डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाएं नियमित रूप से लें।

■ सर्दियों में सोरायसिस के लक्षण

लाल दाग- त्वचा पर लाल, उभरे हुए दाग दिखाई देना।

खुजली- प्रभावित क्षेत्र में तेज खुजली होना।

सूजन- त्वचा में सूजन होना।

दर्द- प्रभावित क्षेत्र में दर्द होना।

जोड़ों का दर्द- कुछ मामलों में जोड़ों में दर्द और सूजन भी हो सकती है।

प्याज का रस पीने के फायदे

प्याज को अगर केवल ग्रेवी का स्वाद बढ़ाने वाला समझते हैं तो जरा इसके न्यूट्रिशनल वैल्यू को भी जान लें। एक प्याज में 28 ग्राम कैलोरी के साथ 2 .8 ग्राम सोडियम, 102 .2 ग्राम पोटैशियम, 7 ग्राम कार्ब्स, 1.2 ग्राम डायटरी फाइबर, 3 ग्राम शुगर, 0 .8 ग्राम प्रोटीन होता है। जो आपकी हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

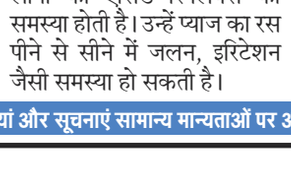

■ मेटाबॉलिज्म बढ़ाने में मदद

प्याज में विटामिन सी, बी की अच्छी मात्रा होती है। साथ ही पोटैशियम और मैंगनीज भी होता है। जो मेटाबॉलिज्म को इंप्रूव करता है। साथ ही इम्यूनिटी बूस्ट करने में भी मदद करता है।

■ हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद

प्याज का रस हार्ट हेल्थ के लिए भी फायदेमंद होत है। ब्लड शुगर को लो करने के साथ ही कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने और खून का थक्का बनने से रोकता है।

■ ब्लड शुगर को रेगुलेट करता है

रोजाना प्याज का रस पीने से ब्लड शुगर लेवल को रेगुलेट करता है। खासतौर पर जो लोग प्रीडायबिटीक होते हैं। उन्हें रोजाना प्याज खाना फायदेमंद होता है। प्याज में मौजूद क्वारसेटिन ब्लड शुगर लेवल को रेगुलेट करने में मदद करता है।

■ हड्डियों के लिए फायदेमंद

अक्सर डेयरी प्रोडक्ट को हड्डियों की मजबूती और डेंसिटी बढ़ाने के लिए खाने की सलाह दी जाती है। लेकिन प्याज की मदद से भी बोंस डेंसिटी बढ़ाई जा सकती है। पोस्टमेनोपॉजल वुमन को प्याज का रस पीना फायदा पहुंचा सकता है। ये बोन डेंसिटी को बढ़ाता है।

■ प्याज के रस से नुकसान

जिन लोगों को सेंसेटिव स्टमक की प्रॉब्लम होती है। उन्हें प्याज का रस नहीं पीना चाहिए। वहीं जिन लोगों को एसिड रिफ्लक्स की समस्या होती है। उन्हें प्याज का रस पीने से सीने में जलन, इरिटेशन जैसी समस्या हो सकती है।

खतरनाक बैक्टीरिया का घर बन सकता है गंदा किचन टॉवेल

किचन हमारे घर का सबसे जरूरी हिस्सा होता है। यहां हमारे लिए खाना बनता है और खाने की कई सारी चीजें भी रखी रहती है और इसलिए घर के इस हिस्से का साफ होना सबसे ज्यादा जरूरी माना जाता है। आमतौर पर किचन को साफ रखने के लिए लोग हर छोटी बात का ध्यान रखते हैं।

बर्तनों को साफ रखने से लेकर आसपास की सफाई तक, लोग किचन की साफ-सफाई का खास ध्यान रखते हैं, लेकिन कई लोग किचन में इस्तेमाल होने वाले कपड़े या टॉवेल को अक्सर अनदेखा कर देते हैं, जो आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। गंदा किचन टॉवेल कई सारे बैक्टीरिया को पनपने की जगह देता है, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे गंदा किचन टॉवेल किन बीमारियों की वजह बन सकता है और कितने दिनों में इसे धोना सही है।

गंदे टॉवेल के नुकसान

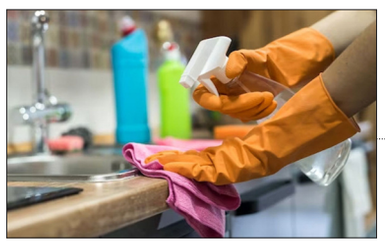

अमेरिकन सोसाइटी ऑफ माइक्रोबायोलॉजी के एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि एक महीने तक बिना धोए किचन टॉवेल का इस्तेमाल करने से इसमें ई. कोली और स्टैफ जैसे जीवाणुओं पनपने लगते हैं। टॉवेल में मौजूद ये कीटाणु फूड पॉइजनिंग का कारण बन सकता है। इतना ही नहीं गंदे तौलिए या कपड़े के इस्तेमाल से इसमें मौजूद बैक्टीरिया बुखार, सिरदर्द, पेट दर्द या ऐंठन, डायरिया या टाइफाइड तक की वजह बन सकते हैं।

कैसे शरीर तक पहुंचते हैं कीटाणु?

गंदे टॉवेल में मौजूद कीटाणु बर्तनों के जरिए हमारे शरीर तक पहुंचते हैं। दरअसल, खाना खाने के लिए इस्तेमाल होने वाले बर्तनों को जब हम गंदे टॉवेल से साफ करते या पोंछते हैं, तो कपड़े में मौजूद कीटाणु बर्तनों में चले जाते हैं, तो बाद में इन बर्तनों में खाना खाने पर शरीर के अंदर चले जाते हैं और फिर फूड पॉइजनिंग का कारण बनते हैं।

कितने दिनों में धोएं किचन टॉवेल?

अब आप ये तो जान ही गए हैं कि गंदा किचन टॉवेल कैसे बीमारियों का घर बन सकता है। ऐसे में जरूरी है कि इसे समय-समय पर धोया जाए, ताकि इसके हानिकारक प्रभाव से बचा जा सके। इसलिए किचन में इस्तेमाल होने वाले कपड़े या तौलिए को हर दो दिन जरूर धोएं।

साथ ही इसे धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करें और कपड़ा धोते समय हाथ में ग्लव्स पहनें। इस कपड़े को धूप में सुखाएं, ताकि बैक्टीरिया खत्म करने में मदद मिले। इसके अलावा हर 15 दिन में किचन के इस्तेमाल होने वाले कपड़े को बदल लें, ताकि इससे होने वाले नुकसान से बचा जा सके।

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

आज का राशिफल

मेष : आज निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। लाभ होगा। भाग्य की अनुकूलता रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कोर्ट व कचहरी के काम से छुटकारा मिल सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृषभ : कारोबार में लंबे समय से रुके कार्य पूर्ण होने के योग हैं। बड़ा लाभ हो सकता है। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शत्रुओं से सावधानी आवश्यक है। हानि पहुंचाने के प्रयास करेंगे। प्रसन्नता रहेगी। स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त हो सकती है।

मिथुन : नौकरी में कोई नया काम कर पाएंगे। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त हो सकता है। निवेश में जल्दबाजी न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। दुष्टजन हानि पहुंचाने का प्रयत्न करेंगे।

कर्क : आय होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। बेवजह नकारात्मकता रहेगी। आलस्य हावी रहेगा। कोई बड़ी परेशानी आ सकती है। भागदौड़ अधिक होगी। शोक समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

सिंह : कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। वरिष्ठ व्यक्तियों का मार्गदर्शन लाभ में वृद्धि करेगा। निवेशादि मनोनुकूल रहेंगे। मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। भाग्य का साथ मिलेगा।

कन्या : व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभदायक रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। आत्मसम्मान बना रहेगा। कोई बड़ा काम तथा बाहर जाने का मन बनेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

तुला : व्यापारिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। शेयर मार्केट आदि में सोच-समझकर निवेश करें।

वृश्चिक : परिवार के साथ जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। व्ययवृद्धि होगी। विवाद को बढ़ावा न दें। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

धनु : आज आपको पत्नी के भाग्य का साथ मिलेगा। रुका हुआ पैसा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। आशंका-कुशंका रहेगी। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

मकर : लंबे समय से रुके कार्य पूर्ण होने के योग हैं, प्रयास करते रहें। आय में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी न करें। आर्थिक उन्नति के लिए नई नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

कुंभ : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पार्टनरों से सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत की सेवा करने का अवसर प्राप्त होगा। भाग्य का साथ मिलेगा।

मीन : व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि हो सकती है। भ्रम की स्थिति बन सकती है। किसी व्यक्ति के व्यवहार से मन को ठेस पहुंच सकती है। जल्दबाजी न करें। विवाद की स्थिति नहीं बनने दें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

खबरें गांव की...

बीमार पत्नी की तबीयत नहीं सुधरी तो नाराज युवक ने महाभारत काल का शिवलिंग तोड़ा

उन्नाव. उन्नाव जिले में बीवी की तबीयत में सुधार न होने पर एक शख्स भगवान से इस कदर नाराज हो गया कि उसने प्राचीन मंदिर के शिवलिंग को खंडित कर दिया। यह मंदिर महाभारत काल का बताया जा रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक को हिरासत में ले लिया। यह घटना पुलिस तहसील मुख्यालय से लगभग तीन किलोमीटर दूर पुरवा-मौरावां मार्ग पर पुरवा कोतवाली और बिहार क्षेत्र का है। बीती रात प्राचीन बिल्लेश्वर महादेव मंदिर में स्थापित शिवलिंग को नुकसान पहुंचाया गया।

एक माह में ही उठ गया नई नवेली दुल्हन का जनाजा, निकाह के बाद पति ने ही मार डाला

बिजनौर. बिजनौर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां नई नवेली दुल्हन का जनाजा उठ गया। शादी के एक महीने बाद ही पति ने पत्नी का गला घोंटकर हत्या कर दी। मायके वालों ने दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाते हुए ससुराल के पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने हत्यारोपी पति और ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार धामपुर के गांव जैतरा निवासी मोमिना ने अपनी छह बेटियों में से तीसरे नंबर की बेटी तरन्नुम (24) का निकाह 7 दिसंबर को गांव पुराना धामपुर हुसैनपुर के रहने वाले अनीस के बेटे शोएब से की थी। सोमवार को शोएब पांच हजार रुपये मांगने ससुराल गया था, ससुराल वालों ने असमर्थता जता दी। इससे गुस्साया शोएब घर पहुंचा और रात में पत्नी तरन्नुम से झगड़ा करने लगा। विवाद बढ़ने पर चुन्नी से तरन्नुम का गला घोंटकर हत्या कर दी।

अवैध संबंध में बाधक पत्नी की चौकीदार ने बहू के साथ मिलकर की थी हत्या

कुशीनगर. कुशीनगर के जटहां बाजार थाना क्षेत्र के अहिरौली टोला सुगौली में पिछले 4 जनवरी को गायब चौकीदार के पत्नी की हत्या का खुलासा कुशीनगर पुलिस ने मंगलवार को कर दिया। अवैध संबंध में बाधक बनने पर चौकीदार ने बहू के साथ मिलकर पत्नी की हत्या की थी। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। चार जनवरी को जटहां बाजार थाना क्षेत्र के गीता देवी पत्नी घूरहु यादव उम्र करीब 48 वर्ष निवासी अहिरौली टोला सुगौली का शव उसके ही शौचालय की टंकी में मिला था।

सड़क हादसे में घायल को मिलेगा 1.5 लाख रु. तक कैशलेस इलाज

- नितिन गडकरी ने की बड़ी घोषणा

नई दिल्ली। सड़क दुर्घटना में घायलों को देशभर में मार्च तक कैशलेस इलाज मिलने लगेगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि किसी भी प्रकार की सड़क पर वाहनों के कारण हादसा होने पर घायलों को सात दिन तक प्रति दुर्घटना, प्रति व्यक्ति अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज मिलेगा।

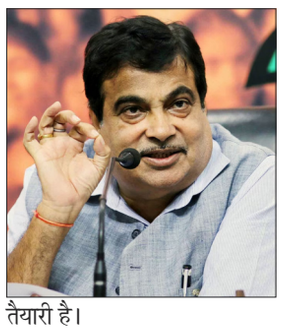

योजना को मार्च से पूरे देश में लागू करने की तैयारी

योजना को लागू करने की जिम्मेदारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) की होगी। उन्होंने यह भी कहा कि अगले संसद सत्र में मोटर वाहन संशोधन कानून पेश किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 14 मार्च, 2024 को सड़क दुर्घटना पीड़ितों को 'कैशलेस' उपचार प्रदान करने के लिए पायलट योजना शुरू की थी। योजना को बाद में छह राज्यों में लागू किया गया। अब मार्च से इसे पूरे देश में लागू करने की तैयारी है।

ट्रक और बसों को ट्रेनों के लिए 'कवच' सुरक्षा जैसी प्रणाली आएगी

गडकरी ने बताया कि 42वीं परिवहन विकास परिषद की बैठक में सड़क सुरक्षा प्राथमिकता में रही। बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि वाहन बनाने वाली कंपनियां जो भी भारी वाहन यानी बस और ट्रक बनाएंगी, उसमें तीन सुरक्षा तकनीकें अनिवार्य से रूप से होंगी। माना जा रहा है कि यह तकनीकें ट्रक और बसों को ट्रेनों के 'कवच' सुरक्षा प्रणाली जैसी सुरक्षा दे सकती हैं। नई दिल्ली में दो दिन कार्यशाला के साथ ही परिषद की बैठक चली।

पहले दिन सोमवार को 27 राज्यों के परिवहन सचिवों और परिवहन आयुक्तों के साथ केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सचिव वी. उमाशंकर ने बैठक की, जबकि मंगलवार को नितिन गडकरी ने परिवहन मंत्रियों के साथ बैठक की।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सड़क हादसों को रोकने के लिए भारी वाहनों में तीन तकनीकें अनिवार्य करने का निर्णय लिया है। इलेक्ट्रानिक स्टेबिलिटी कंट्रोल और आटोमेटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग सिस्टम से दो वाहनों के टकराव को रोका जा सकता है, जबकि ड्राइवर ड्राउजीनेस सिस्टम अलर्ट ऐसा आडियो सिस्टम होगा यह भांप लेगा कि ड्राइवर को झपकी या आलस आ रहा है और ड्राइवर को सतर्क कर देगा।

नितिन गडकरी ने शुरू की ड्राइवर ट्रेनिंग सेंटर पॉलिसी

गडकरी ने बताया कि वर्ष 2024 में सड़क हादसों में जिन 1.80 हजार लोगों की मृत्यु हुई है, उसमें 35 हजार मौतें बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाले ड्राइवरों की वजह से हुई हैं। ड्राइवर प्रशिक्षित हों, इसके लिए मंत्रालय ने ड्राइवर ट्रेनिंग पॉलिसी लांच की है। इसके तहत देशभर में 1250 नए ट्रेनिंग सेंटर और फिटनेस खोले जाएंगे। इसमें मंत्रालय की ओर से करीब साढ़े चार हजार करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। इन सेंटरों से करीब 25 लाख नए ड्राइवर ट्रेनिंग लेकर लाइसेंस के साथ निकलेंगे और उनको रोजगार मिलेगा, वहीं करीब 15 लाख लोगों को इन सेंटरों में रोजगार मिलेगा। हर जिले में एक आटोमेटेड टेस्टिंग सेंटर की भी स्थापना होगी।

..तो आठ घंटे से अधिक वाहन नहीं चला सकेगा ड्राइवर

जयपुर हादसे का उल्लेख करते हुए गडकरी ने बताया कि ड्राइवर सुबह साढ़े चार बजे से लेकर रात 9.30 बजे तक गाड़ी चला रहा था। यूरोप में कोई भी ड्राइवर आठ घंटे से अधिक गाड़ी नहीं चला सकता। भारत में 22 लाख ड्राइवरों की कमी है। मंत्रालय इस सुझाव पर आगे बढ़ेगा कि ऐसी व्यवस्था हो कि आधार कार्ड से ¨लक्ड कार्ड को स्वैप करने पर इंजन स्टार्ट हो और आठ घंटे बाद वह इंजन तभी शुरू हो, जब दूसरा ड्राइवर अपना कार्ड स्वैप करे।

हाईकोर्ट ने संभल मस्जिद की सुनवाई पर रोक लगाई

- 4 हफ्ते में सभी से जवाब मांगा
- सर्वे के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने डाली थी याचिका

प्रयागराज. संभल की जामा मस्जिद मामले में जिला कोर्ट में चल रही सुनवाई पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। बुधवार को हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान इस मामले के सभी पक्षकारों से 4 हफ्ते में जवाब मांगा है। पक्षकारों के जवाब पर मस्जिद कमेटी को दो हफ्ते में अपना रिज्वांइडर यानी प्रत्युत्तर दाखिल करना होगा। अब इस मामले में 25 फरवरी को सुनवाई होगी।

दरअसल, जामा मस्जिद की तरफ से इंतजामिया कमेटी ने 4 जनवरी को याचिका दाखिल की थी। इसमें सर्वे रोकने की मांग की थी। हाईकोर्ट से जिला अदालत में चल रही मुकदमे की सुनवाई पर रोक लगने से मुस्लिम पक्ष को फौरी राहत मिली है।

कोर्ट ने कहा- अगले आदेश तक कोई भी कार्रवाई नहीं की जाएगी। हिंदू पक्ष की तरफ से सीनियर एडवोकेट हरिशंकर जैन और एडवोकेट प्रभास पांडेय ने दलील दी, जबकि मुस्लिम पक्ष की तरफ से एसएफए नकवी ने पक्ष रखा।

इससे पहले, संभल कोर्ट में भी मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा- इसके केस की 5 मार्च तक सुनवाई नहीं होगी। संभल कोर्ट के फैसले के कुछ घंटे बाद ही हाईकोर्ट का ये फैसला आया।

दरअसल, नवंबर में सर्वे और फिर हिंसा के बाद मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करने के निर्देश दिए थे। साथ ही, हाईकोर्ट को निर्देश दिया था कि याचिका पर जल्द से जल्द सुनवाई हो।

मुस्लिम पक्ष ने जो याचिका दाखिल की थी। उसमें संभल जिला अदालत में चल रहे मुकदमे की पोषणीयता पर सवाल उठाते हुए उसे रद्द किए जाने की मांग की थी। साथ ही, एडवोकेट कमिश्नर की सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं किए जाने और दीवानी अदालत के सर्वे आदेश की प्रक्रिया पर भी रोक की मांग की थी।

कोरोना वायरस जैसे HMPV का 9वां केस

- मुंबई में 6 महीने की बच्ची संक्रमित
- गुजरात के अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड
- पंजाब में मास्क पहनने की सलाह

नई दिल्ली. कोरोना वायरस जैसे ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (HMPV) का महाराष्ट्र में बुधवार को तीसरा केस मिला। मुंबई के हीरानंदानी अस्पताल में 6 महीने की बच्ची संक्रमित मिली है। उसे 1 जनवरी को खांसी, सीने में जकड़न और ऑक्सीजन लेवल 84% तक गिरने की वजह से अस्पताल में भर्ती किया गया था। हालांकि, अब वह ठीक है।

मुंबई में इस वायरस का यह पहला मामला है। मंगलवार को नागपुर में 2 केस सामने आए थे। यहां 13 साल की लड़की और 7 साल का लड़का संक्रमित मिला था। हालांकि इन्हें अस्पताल में भर्ती नहीं करना पड़ा। इलाज के बाद उनकी स्थिति कंट्रोल में है।

ताजा केस मिलने के बाद देश में इस वायरस के कुल मामले 9 हो गए हैं। महाराष्ट्र से पहले सोमवार को कर्नाटक और तमिलनाडु में 2-2, पश्चिम बंगाल और गुजरात में एक-एक केस मिलाकर वायरस के कुल 6 मामले सामने आए थे।

HMPV केस सामने आने के बाद राज्यों ने भी सतर्कता बढ़ा दी है। पंजाब में बुजुर्गों और बच्चों को मास्क पहनने की सलाह दी गई है। इधर गुजरात में अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड बनाए जा रहे हैं। हरियाणा में भी स्वास्थ्य विभाग को HMPV केसेस पर निगरानी रखने के आदेश दिए गए हैं।

छोटे बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित

HMPV संक्रमित होने पर मरीजों में सर्दी और कोविड-19 जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर देखा जा रहा है। इनमें 2 साल से कम उम्र के बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। केंद्र ने राज्यों को 'इंफ्लूएंजा लाइक इलनेस' और 'सीवर एक्यूट रेस्पिरेट्री इश्यूज' जैसी सांस की बीमारियों की निगरानी बढ़ाने और HMPV के बारे में जागरूकता फैलाने की सलाह दी है।

शीतलहर से गोशाला में 6 गोवंश की मौत

बरेली. बरेली के आंवला के भोजपुर मढ़ी की गोशाला में शीतलहर और भूख-प्यास से छह गोवंश की मौत हो गई। विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं ने गोशाला में पहुंचकर जमकर हंगामा किया। गोशाला को घेर लिया। गोशाला में मरे पड़े गोवंश के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। डीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू करा दी। आनन-फानन में अधिकारियों ने गोशाला में जाकर पड़ताल शुरू कर दी। आंवला के अंतपुर ग्राम पंचायत के मजरा भोजपुर मढ़ी में गोशाला का निर्माण किया गया है। ग्राम पंचायत के सहयोग से गोशाला का संचालन किया जा रहा है।

चीन में भूकंप से 126 की मौत, 188 घायल

रिक्टर स्केल पर 7.1 तीव्रता; नेपाल-भूटान समेत सिक्किम और उत्तराखंड में भी असर

नई दिल्ली. चीन के तिब्बत प्रांत में मंगलवार सुबह आए भूकंप से 126 लोगों की मौत हो गई, जबकि 188 घायल हो गए। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक सुबह 9.05 बजे (भारतीय समयानुसार सुबह 6.30 बजे) आए इस भूकंप का केंद्र तिब्बत के शिजांग में जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था।

भारत के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (NCS) के मुताबिक रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 7.1 थी। भूकंप का असर नेपाल, भूटान सहित भारत के सिक्किम और उत्तराखंड में भी दिखा। फिलहाल भारत में इससे जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

NCS ने बताया कि पहले भूकंप के तुरंत बाद इस क्षेत्र में दो और भूकंप आए। लोकल अधिकारी लगातार हालात का जायजा ले रहे हैं, इस वजह से हताहतों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है।

प्रभावित इलाके में लेवल-3 इमरजेंसी घोषित

रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप के बाद बड़ी संख्या में लोग मलबे में फंस गए हैं। इन्हें रेस्क्यू किया जा रहा है। चीन की CCTV न्यूज के अनुसार चीन की स्टेट काउंसिल ने भूकंप प्रभावित इलाके में टास्क फोर्स भेजी है और लेवल-3 इमरजेंसी घोषित कर दी है।

चीनी वायुसेना भी प्रभावित क्षेत्र में रेस्क्यू में जुटी है। भूकंप की वजह से इलाके का इन्फ्रास्ट्रक्चर बुरी तरह डैमेज हो गया है, जिससे यहां बिजली और पानी दोनों की सप्लाई बाधित हो गई हैं। भूकंप के मद्देनजर चीन ने माउंट एवरेस्ट के टूरिस्ट क्षेत्रों को पर्यटकों के लिए बंद कर दिया है।

वी. नारायणन ISRO के नए चेयरमैन बनाए गए

बेंगलूरु. केंद्र सरकार ने मंगलवार को स्पेस साइंटिस्ट वी. नारायणन को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) का नया चेयरमैन नियुक्त किया है। उन्हें स्पेस डिपार्टमेंट का सचिव भी बनाया गया है। वे 14 जनवरी को ISRO चीफ एस. सोमनाथ की जगह लेंगे।नारायणन का कार्यकाल 2 साल का रहेगा। फिलहाल वे वलियामाला स्थित लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (LPSC) के डायरेक्टर हैं। नारायणन के पास 40 साल का अनुभव है। वे रॉकेट और स्पेसक्राफ्ट ऑपरेशन के एक्सपर्ट हैं।

ISRO के मौजूदा चेयरमैन एस. सोमनाथ ने 14 जनवरी 2022 को ISRO चेयरमैन का पद संभाला था। वे 3 साल के कार्यकाल के बाद रिटायर हो रहे हैं। उनके कार्यकाल में ISRO ने इतिहास रचा। ISRO ने न केवल चांद के साउथ पोल पर चंद्रयान-3 की लैंडिंग कराई, बल्कि धरती से 15 लाख किमी ऊपर लैगरेंज पॉइंट पर सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य-L1 भी भेजा।

अनशन कर रहे डल्लेवाल की हालत नाजुक

किसान नेता बोले- कुछ हुआ तो हालात नहीं संभलेंगे; 26 जनवरी को ट्रैक्टर मार्च का ऐलान

नई दिल्ली. हरियाणा-पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की हालत नाजुक है। उनके अनशन का आज 44वां दिन है। वह किसी के साथ बात भी नहीं कर पा रहे हैं।

किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने कहा कि यदि डल्लेवाल के साथ कुछ अनहोनी हो गई तो शायद उसके बाद जो स्थिति पैदा होगी उसे केंद्र सरकार संभाल नहीं पाएगी। इसलिए समय रहते केंद्र सरकार को किसानों के मुद्दों को हल करना चाहिए।

उधर, किसान नेताओं ने तय किया है कि 26 जनवरी को पूरे देश में ट्रैक्टर मार्च निकाला जाएगा। आगामी दिनों में इस बारे में प्लान जारी किया जाएगा।

- पंजाब के अधिकारी मिलने पहुंचे

मंगलवार सुबह पूर्व DIG नरेंद्र भार्गव और एसएसपी पटियाला नानक सिंह खनौरी बॉर्डर पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि जब डल्लेवाल की तबीयत बिगड़ी तो सरकारी डॉक्टरों की टीम मौके पर ही मौजूद थी। रात में 3 बार चेकअप किया। हालांकि डल्लेवाल ने मेडिकल ट्रीटमेंट लेने से मना किया है। फिलहाल उन्हें मनाया जा रहा है।

- 2 दिन पहले डल्लेवाल हुए बेहोश

किसान नेता अभिमन्यु कोहाड़ ने बताया कि सोमवार रात को लगभग सवा 8 बजे डल्लेवाल की तबीयत बहुत ज्यादा बिगड़ गई थी। उनका ब्लड प्रेशर 77/45 और पल्स रेट 38 से भी नीचे गिर गया था।

डॉक्टरों ने बताया कि जब डल्लेवाल के पैरों को थोड़ा ऊपर उठाते हैं तो ब्लड प्रेशर थोड़ा बहुत स्थिर होता है, अन्यथा ब्लड प्रेशर और पल्स रेट बहुत नीचे चले जाते हैं। रात ढाई बजे तक डॉक्टरों के प्रयासों की वजह से ब्लड प्रेशर 95/70 पर थोड़ा बहुत स्थिर हो पाया। डल्लेवाल की हालत नाजुक बनी हुई है।

तबीयत बिगड़ने से पहले दिन में सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित हाईपावर कमेटी ने खनौरी बॉर्डर पर डल्लेवाल से मुलाकात की थी।

BJP ने केजरीवाल को टॉयलेट चोर दिखाया

- 9 दिनों से चल रहा पोस्टर वॉर
- BJP ने 20 तो AAP ने 8 पोस्टर-वीडियो शेयर किए

नई दिल्ली. दिल्ली विधानसभा चुनाव तारीखों का ऐलान होते ही आम आदमी पार्टी (AAP) और भाजपा के बीच पोस्टर वॉर तेज हो गया है। बुधवार को भाजपा ने केजरीवाल से जुड़े 4 पोस्टर शेयर किए। इसमें उन्होंने पूर्व CM को गोविंदा की फिल्म 'राजा बाबू' के रूप में दिखाया।

वहीं दूसरे पोस्टर में केजरीवाल की तस्वीर के साथ टॉयलेट शीट की फोटो शेयर की और लिखा- टॉयलेट चोर। वहीं अन्य पोस्ट में भाजपा ने आप संयोजक को दुलकर सलमान की फिल्म 'लकी भास्कर' के पोस्टर के रूप में दिखाया।

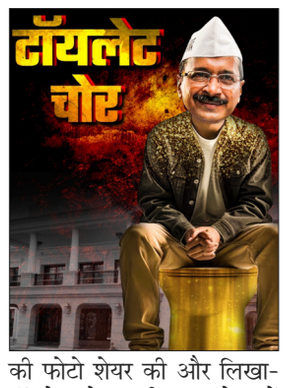

14 जनवरी से इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट, 20 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे

- सिंधु शादी के बाद पहली बार खेलेंगी
- लक्ष्य के साथ दल की अगुआई करेंगी

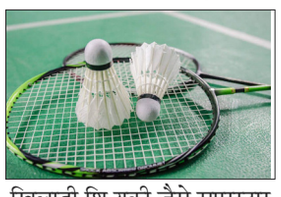

इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत इस बार 20 खिलाड़ियों का दल उतारेगा। पिछले सीजन में 14 खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिए थे। लक्ष्य सेन और पीवी सिंधु भारतीय दल की अगुआई करेंगे।

यह टूर्नामेंट 14 जनवरी से नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम के केडी जाधव इंडोर हॉल में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में ओलिंपिक चैंपियन विक्टर एक्सेलसन, एन से यंग और दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी शि यूकी जैसे सुपरस्टार भी खेलते नजर आएंगे।

भारतीय बैडमिंटन संघ के महासचिव संजय मिश्रा ने बयान जारी कर कहा कि सुपर 750 प्रतियोगिता में इतने सारे भारतीय खिलाड़ियों का भाग लेना बताता है कि वर्ल्ड लेवल पर भारत के बैडमिंटन ने कितना विकास किया है। यह विश्व मंच पर भारतीय बैडमिंटन के विकास और उत्थान का एक संकेत है। उन्होंने आगे कहा कि यह तो बस शुरुआत है। 2025 एक ऐसा साल होगा, जिसमें बड़े नामों के साथ-साथ और भी नाम शामिल होंगे।

भारतीय खिलाड़ियों की सूची :

- **पुरुष सिंगल्स** - लक्ष्य सेन, एचएस प्रणय, प्रियांशु राजावत
- **विमेंस सिंगल्स** - पीवी सिंधु, मालविका बंसोड़, अनुपमा उपाध्याय, आकर्षी कश्यप
- **मेंस डबल्स** - चिराग शेट्टी/सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, के साई प्रतीक/पृथ्वी के रॉय
- **विमेंस डबल्स** - ट्रीसा जॉली/गायत्री गोपीचंद, अश्विनी पोनप्पा/तनिषा क्रैस्टो, रुतुपर्णा पांडा/श्वेतापर्णा पांडा, मनसा रावत/गायत्री रावत, अश्विनी भट्ट/शिखा गौतम, साक्षी गहलावत/अपूर्वा गहलावत, सानिया सिकंदर/रश्मि गणेश, मृण्मयी देशपांडे/प्रेरणा अलवेकर
- **मिश्रित युगल** - ध्रुव कपिला/तनिषा क्रैस्टो, के सतीश कुमार/आद्या वरियाथ, रोहन कपूर/जी रुथविका शिवानी, अशिथ सूर्या/अमृत प्रमुथेश

मेंस डबल्स में चिराग-सात्विक साईराज करेंगे अगुआई

चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी मेंस डबल्स में भारतीय टीम की अगुआई करेंगे। दोनों की जोड़ी पिछले साल फाइनल में पहुंची थी, हालांकि टाइट जीतने में सफल नहीं हो सके थे। पेरिस ओलिंपिक के बाद चोट के कारण सात्विक बहुत ज्यादा मैदान पर नहीं दिखे हैं। ऐसे में इस टूर्नामेंट से उनके पास फॉर्म हासिल करना बड़ी चुनौती होगी। दो ओलिंपिक मेडल जीत चुकी पीवी सिंधु का शादी के बाद यह पहला इवेंट है। उन्होंने 22 दिसंबर, 2024 को हैदराबाद के वेंकट दत्ता साई से शादी की।

इंडिया ओपन सुपर पिछले साल BWFवर्ल्ड टूर का हिस्सा

इंडिया ओपन सुपर 750 इवेंट बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर आयोजित एक प्रमुख प्रतियोगिता है। जिसे 2023 में सुपर 750 के रूप में पदोन्नत किया गया था और BWFवर्ल्ड टूर का हिस्सा बना।

हिमाचल में टूरिस्ट की मौत : पैराग्लाइडिंग के दौरान हादसा

कुल्लू. हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में बीती शाम को एक पैराग्लाइडर हादसे का शिकार हो गया। इसमें एक टूरिस्ट की मौत हो गई, जबकि इसका पायलट घायल हो गया। कुल्लू थाना में पुलिस ने पायलट जीवन प्रकाश के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू तेज कर दी है।

सूचना के अनुसार, कुल्लू के रायसन से आंध्रप्रदेश से आए टूरिस्ट ने मंगलवार शाम के वक्त उड़ान भरी थी। टूरिस्ट के साथ पायलट भी मौजूद था। उड़ान के कुछ देर बाद ही पैराग्लाइडर क्रेश हो गया।

आंध्रप्रदेश के महेश रैड्डी की मौत

इस हादसे में आंध्रप्रदेश के महेश रैडी (31) को गंभीर चोटें आई। घायल अवस्था में रेड्डी को भुंतर अस्पताल लाया गया, जहां से उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए नेरचौक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल मंडी रेफर किया गया। यहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित किया। मंडी में आज मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। इसके बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। एसपी कुल्लू डा. कार्तिकेयन गोकुल चंद्रन ने कहा कि पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

बता दें कि कुल्लू के रायसन में देशभर से आने वाले टूरिस्ट पैराग्लाइडिंग करते है।

उल्हासनगर महानगरपालिका,

उल्हासनगर प्रभाग समिती क्र. 4

जा.क्र. उमपा/सहा.आ/प्र.स४/२४४/२०२५
सहायक आयुक्त, प्र.स ४ कार्यालय,
उल्हासनगर महानगरपालिका,
उल्हासनगर-४२१००५.
दिनांक : ८/०१/२०२५

नोटीस

(महाराष्ट्र नागरी क्षेत्र झाडांचे संरक्षण व जतन अधिनियम १९७५ चे कलम ८ (३) अन्वये)

उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्रात प्रभाग समिती क्र.४ चे हद्दीत खाली नमुद केलेल्या ठिकाणी वृक्ष तोडणेसाठी प्रस्ताव प्राप्त झालेला आहे.

अ.क्र.	अर्जदाराचे नांव	ठिकाण	झाडाचा तपशिल
१	सब पोस्ट मास्टर. उल्हासनगर-५	पोस्ट ऑफीस, हिल लाईन पोलिस स्टेशन समोर, उल्हासनगर-४२१००५	गुलमोहर जातीचे ६, पिंपळ जातीचे २, वड जातीचे २ व उंबर जातीचे १. एकूण ११ झाडे

उक्त नमुद केलेल्या ठिकाणी असलेले वृक्ष तोडण्यासाठी कोणत्याही इसमाची हरकत असल्यास त्यांनी आपली हरकत लेखी स्वरुपात दिनांक १४/०१/२०२५ पूर्वी सहायक आयुक्त तथा वृक्ष अधिकारी प्रभाग समिती क्र.४, अग्निशमन इमारत, उल्हासनगर-४२१००५ या कार्यालयात सादर करावी. मुदतीत लेखी हरकत प्राप्त झाल्यास संबधितास सुनावणी देऊन अंतीम निर्णय घोतला जाईल, विहित मुदतीत हरकत प्राप्त न झाल्यास प्रस्तुत प्रकरणी गुणवत्तेवर निर्णय घेण्यात येईल, याची नोंद घ्यावी.

सही/-
(गणेश शिंपी)
वृक्ष अधिकारी तथा सहायक आयुक्त
प्रभाग समिती क्र.४
उल्हासनगर महानगरपालिका

जा.क्र. उमपा / पीआरओ / १७/२०२५
दिनांकः ०८/०१/२०२५

संक्षेप...

दहेज प्रताड़ना का मामला ससुराल पक्ष पर दर्ज

भिवंडी. शांतिनगर पुलिस ने एक 27 वर्षीय विवाहिता को ससुराल पक्ष के 10 सदस्यों द्वारा दहेज की खातिर गालीगलौज, मानसिक, शारीरिक प्रताड़ना देने का आपराधिक मामला दर्ज किया है. मिली जानकारी के अनुसार, शांतिनगर एरिया निवासी ईरम फातीमा अमानुल्ला अन्सारी (27) का निकाह समदनगर कणेरी निवासी मोहम्मद आसीफ मो.उमर शेख के साथ 6 वर्ष पूर्व हुआ था. शादी के बाद से ही ससुर मोहम्मद आसीफ शेख,सासू रुक्साना, ननद इरम, मुस्कान,अनम,हिना, परवीन, बहनोई मोईद शेख,रियाज शेख विवाह में मुंहमांगा दहेज नहीं मिलने का ताना देते थे. ससुराल पक्ष के सदस्य मायके से 2 लाख रुपए कैश एवं मोटर साइकिल लाने की डिमांड करते थे.डिमांड पूरी नहीं होने पर गालीगलौज, मानसिक,शारीरिक त्रास देकर परेशान कर रहे थे. ससुराल पक्ष से तंग आकर पीड़िता ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है.

महाराष्ट्र में लागू होगी ई-कैबिनेट

■ **डिजिटल शासन से बढ़ेगी पारदर्शिता और ईज ऑफ लिविंग**

मुंबई. योजनाओं को गतिशील और पारदर्शी बनाने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में ई-कैबिनेट को अपनाने का फैसला किया है, जिसके तहत इलेक्ट्रॉनिक तरीके से काम किया जाएगा। ई-कैबिनेट में लिए गए निर्णयों को पोर्टल के माध्यम से जनता तक उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने आम नागरिकों के दैनिक जीवन को आसान (ईज ऑफ लिविंग) बनाने के लिए राज्य के सभी अधिकारियों के लिए सात सूत्रीय कार्यक्रम तय किये हैं।

महाराष्ट्र के मुख्य सचिव सुजाता सौनिक के मुताबिक ई-कैबिनेट राज्य सरकार की एक पर्यावरण अनुकूल पहल है। इससे कैबिनेट बैठकों के लिए कागज के बड़े पैमाने पर उपयोग को कम करने में सहायक होगा। इस हरित पहल के तहत कागज रहित कैबिनेट बैठक स्मार्ट टैबलेट के माध्यम से आसानी से आयोजित की जा सकेंगी। इसी व्यवस्था के कारण मंत्रियों के लिए अत्यधिक सुलभ डैशबोर्ड उपलब्ध होंगे। कैबिनेट के फैसले और उनके संदर्भ ढूंढना आसान होगा। ई-कैबिनेट कैबिनेट की बैठकों , निर्णयों और संबंधित दस्तावेजों को संरक्षित रखेगी।

यह सिस्टम पूरी तरह से डिजिटल है और इसके जरिए हर कदम आसानी से हो जाएगा। यह प्रणाली अब तक हुई पारंपरिक कैबिनेट बैठकों में आने वाली विभिन्न कठिनाइयों को दूर कर सकती है। कैबिनेट में प्रस्तुत किये जाने वाले प्रस्ताव को ऑनलाइन अपलोड करना, चर्चा एवं निर्णय के लिए कैबिनेट के समक्ष प्रस्तुत करना, अंतिम निर्णय और उससे संबंधित सभी रिकॉर्ड रखना, ये सभी प्रक्रियाएं आसानी से हो जाएंगी। सुशासन प्राप्त करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने आम नागरिकों के दैनिक जीवन को आसान (ईज ऑफ लिविंग) बनाने के लिए राज्य के सभी अधिकारियों के लिए सात सूत्रीय कार्यक्रम तय किया है। जिसमें विभाग, कार्यालय की वेबसाइट अपडेट की जाए, काम के तरीकों आसान बनाना, सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता, लंबित मामलों का निस्तारण, कारोबारियों को नुकसान न हो, कार्यालयों में आने वाले नागरिकों को सुविधाएं, परियोजनाओं और योजनाओं का दौरा करना शामिल है।

> फडणवीस ने कहा कि हमने राज्य में ई-फाइलिंग को स्वीकार कर लिया है और हमारी फाइलों का आदान-प्रदान इलेक्ट्रॉनिक तरीके से होता है। यहां तक कि मंत्रिमंडल की फाइलों का आदान-प्रदान भी इलेक्ट्रॉनिक तरीके से होना चाहिए। इसके लिए हम ई-कैबिनेट अपना रहे हैं। कुछ समय के लिए, जब तक मंत्री इसके अभ्यस्त नहीं हो जाते तब तक हमारे पास पेपर का विकल्प होगा लेकिन धीरे-धीरे इसे खत्म किया जाएगा।

मुख्यमंत्री फड़णवीस ने कहा कि उनके कार्यालय की वेबसाइट तैयार की जाए, सूचना के अधिकार कानून के तहत जो भी जानकारी मांगी जाएगी, उसे वेबसाइट पर पहले से उपलब्ध कराया जाए। वेबसाइट को साइबर-सुरक्षित करें। सरकारी कार्यालयों को साफ किया जाना चाहिए, अनावश्यक दस्तावेजों को हटा दिया जाना चाहिए, क्षतिग्रस्त और अप्रयुक्त वाहनों को अपंजीकृत किया जाना चाहिए।

बिना हेलमेट के 5 हजार दोपहिया वाहन चालकों पर आरटीओ ने की कार्रवाई

कॉलेज के छात्रों की सुरक्षा अभियान में अग्रणी भूमिका निभाएंगे

ठाणे. सड़क दुर्घटना में बाइक चलाने वालों की संख्या अधिक है और बिना हेलमेट वाले बाइक चलाने वालों की मृत्यु दर अधिक है।सुरक्षा कारणों से दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य है, लेकिन तमाम बाइक चालक बिना हेलमेट के वाहन चलाते हैं।इस विषय को लेकर ठाणे आरटीओ अलर्ट मोड पर है।पिछले नौ महीनों में विभाग ने ठाणे, मीराभाईंदर, भिवंडी, शाहपुर क्षेत्रों में 5250 बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालकों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की है।शहर में वाहनों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।प्रमुख सड़कें भी वाहनों के कारण अपर्याप्त नजर आ रही हैं।ऐसे स्थिति में सावधानी हटी की दुर्घटना घटी।पिछले कुछ सालों के अनुभव पर नजर डालें तो सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं दोपहिया वाहनों से होती हैं।सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों में दोपहिया वाहन चालकों की संख्या अधिक होती है और हेलमेट न पहनना मौत का मुख्य कारण है।

सड़क सुरक्षा अभियान के तहत बिना हेलमेट बाइक चलाने वालों पर कार्रवाई की जा रही है।उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रोहित काटकर ने बताया कि पिछले नौ माह में 5 हजार दोपहिया वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई है।

ठाणे आरटीओ ने अप्रैल से दिसंबर 2024 की अवधि के दौरान ठाणे भिवंडी मीरा भायंदर शाहपुर क्षेत्र में बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दिसंबर महीने में सबसे अधिक 1782 चालकों पर दंडात्मक कार्रवाई किया।

70 से 80 प्रतिशत सड़क दुर्घटनाएं दोपहिया वाहनों और पैदल चलने वालों के बीच होती हैं। हेलमेट नहीं पहनने से राज्य में सात हजार 700 लोगों की मौत हो चुकी है। यह चिंता का विषय है और मौतों की संख्या कम करने के लिए बाइक चलाते समय हेलमेट पहनना आवश्यक है।

- हेमांगिनी पाटिल
(मुख्य RTO अधिकारी ठाणे)

ठाणे पूर्व से के .सी कॉलेज में सड़क सुरक्षा अभियान कार्यक्रम के तहत, सड़क विकास विभाग, ठाणे आरटीओ व सामाजिक संस्था के सहयोग से 25 छात्रों को हेलमेट का वितरण किया गया। दिए हैं और उन्हें अग्रणी रूप में कार्य करने के लिए कहा।

- रोहित काटकर
(उप आरटीओ अधिकारी)

मोमिन वकार किताबी 'राष्ट्रीय एकात्मता पुरस्कार' से सम्मानित

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. अल-हमरा एजुकेशनल सोसाइटी सचिव और अंसारी सफिया गर्ल्स हाईस्कूल, नागांव, सलामतपुरा, भिवंडी के चेयरमैन मोमिन वकार अहमद नज़ीर अहमद किताबी को उनकी शैक्षिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक सेवाओं के लिए भावना बहुउद्देशीय संस्था (नासिक) द्वारा एक भव्य समारोह में 'राष्ट्रीय एकात्मता पुरस्कार' 2024-25 से सम्मानित किया गया. सम्मान पर खुशी प्रकट करते हुए अलहमरा एजुकेशनल सोसाइटी अध्यक्ष खालिद फरीद अंसारी तथा अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य, अंसारी सफिया गर्ल्स हाई स्कूल, आयशा सिद्दीका गर्ल्स उर्दू प्राइमरी स्कूल, अंसार प्री प्रायमरी और फरीद मेमोरियल गर्ल्स इंग्लिश मीडियम प्री प्रायमरी और प्रायमरी स्कूल और जूनियर कॉलेज के मुख्यध्यापकों, अध्यापकों एवं कर्मचारियों ने मोमिन वकार सर को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐ दी है.

मुख्यमंत्री ने बेघरों द्वारा खींची गई तस्वीरों का 'माई मुंबई 2025' कैलेंडर लॉन्च किया

मुंबई. कैलेंडर 'माई मुंबई 2025' एक अनूठी अवधारणा है जो मुंबई को सड़कों पर रहने वाले बेघर नागरिकों के नजरिए से दर्शाती है। आइडेंटिटी इंस्टीट्यूट की इस पहल में 50 बेघर लोगों को फिजी कैमरे दिए गए और उन्हें अपनी आंखों से मुंबई की तस्वीरें कैद करने का मौका दिया गया। यह खास कैलेंडर कुल 1107 तस्वीरों में से चुनी गई 13 तस्वीरों के आधार पर तैयार किया गया है।

कैलेंडर का विमोचन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने सह्याद्री गेस्ट हाउस में किया। इस कार्यक्रम में आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, पहचान संस्थान के अध्यक्ष ब्रिजेश आर्य और सुभाष रोकड़े भी उपस्थित थे। श्रमिक नेता अभिजीत राणे, सामाजिक कार्यकर्ता रामकुमार पाल, लंदन स्थित माई वर्ल्ड क्रिएटिव प्रोजेक्ट के पॉल रयान ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने बेघर लोगों को न्याय दिलाने के लिए बार-बार प्रयास किया है। इसका एक हिस्सा मुंबई में रैन बसेरों का तेजी से निर्माण है। बेघर नागरिकों की कला को एक मंच प्रदान करने के अलावा, इस पहल ने उनके जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में भी एक कदम आगे बढ़ाया है।

बेघर नागरिकों द्वारा खींची गई सभी तस्वीरों की जांच और चयन करने के लिए नियुक्त पैनल में राज्य नियंत्रण आश्रय समिति के अध्यक्ष उज्वल उके, आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, वरिष्ठ फोटोग्राफर प्रशांत नाकवे, डॉ रातूला कुंडू, ब्रिजेश आर्य, सार्थक बनर्जीपुरी शामिल थे।

एचएमपीवी वायरस से नहीं घबराने के लिए मनपा ने किया आह्वान

ठाणे. इस समय चीन में एचएमपीवी (ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस) फैलने का पता चला हैं।हमारे देश में भी इसके कुछ मरीज मिले हैं लेकिन नागरिकों को इस बीमारी से घबराना नहीं चाहिए।यह एक सामान्य वायरस है।यह एक मौसमी बीमारी है जो आमतौर पर फ्लू की तरह सर्दियों और गर्मियों की शुरुआत में होती है।मनपा आयुक्त सौरभ राव ने स्वास्थ्य विभाग को सतर्क रहने के लिए सख्त निर्देश दिया है।

इस वायरस को लेकर राज्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग ने राज्य में श्वसन संक्रमण के आंकड़ों का आकलन किया है।साल 2023 की तुलना में दिसंबर 2024 में इस बीमारी के रोगियों की संख्या में कोई वृद्धि नहीं हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से सावधानियों के तहत इस संक्रमण को रोकने के लिए क्या करें और क्या न करें का पालन करने के लिए कहा।

मरीजों को फल वितरित

मुंबई. मां साहेब मीना ताई ठाकरे के स्मृति दिन को लेकर मुलुंड के मनपा अग्रवाल और प्रसूति अस्पताल में मरीजों को फल वितरित किया गया।इसका आयोजन शाखाप्रमुख (ठाकरे गुट) शैलेश धर्मराज पवार ने किया था। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्राचीन संस्कृति में दान का महत्व है।उसी क्रम में मरीजों को फल वितरित किया गया और उन्हें जल्द स्वस्थ होने की कामना की गई. इस दौरान

शिवसेना उप विभाग प्रमुख दिनेश जाधव, रोहिदास देवाडे, नंदिनी सावंत, हेमलता सुकाले समेत कई लोग उपस्थित थे.

आम सूचना

मैं श्री प्रशांत सुभाष गुप्ता सभी को सूचित कर रहा हूं कि फ्लैट नं. 103, 1ला माला, जोया अपार्टमेंट, शॉप नं. 22,23,24,25, यु.नं.92, शीट नं. 94, शहाड स्टेशन के पास, मुरबाड रोड, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 01एओ017891500) उक्त प्रॉपर्टी श्री चेतन सुभाष गुप्ता के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट 8.1.2025 सी.नं. 128 द्वारा मुझे दी है। सुभाष मोतीराम गुप्ता का 2.9.2021 को निधन हुआ है व मीरा सुभाष गुप्ता का 24.9.1999 को निधन हुआ है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री प्रशांत सुभाष गुप्ता

आम सूचना

मैं श्री प्रशांत सुभाष गुप्ता सभी को सूचित कर रहा हूं कि फ्लैट नं. 104, 1ला माला, जोया अपार्टमेंट, शॉप नं. 22,23,24,25, यु.नं.92, शीट नं. 94, शहाड स्टेशन के पास, मुरबाड रोड, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 01एओ017891600) उक्त प्रॉपर्टी श्री चेतन सुभाष गुप्ता के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट 8.1.2025 सी.नं. 127 द्वारा मुझे दी है। सुभाष मोतीराम गुप्ता का 2.9.2021 को निधन हुआ है व मीरा सुभाष गुप्ता का 24.9.1999 को निधन हुआ है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री प्रशांत सुभाष गुप्ता

एसएसटी कॉलेज द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय अंतरमहाविद्यालयीन

'गूंज' सांस्कृतिक महोत्सव और 'जिगर' खेल महोत्सव को उत्साहजनक प्रतिसाद

उल्हासनगर. कॉलेज जीवन में अंतरमहाविद्यालयीन प्रतियोगिताओं का एक विशेष आकर्षण होता है। सभी कॉलेज के विद्यार्थी एसएसटी कॉलेज में आयोजित होने वाले 'गुंज' उत्सव का हमेशा बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस वर्ष भी कॉलेज के 'संजीवनी सांस्कृतिक विभाग' ने बड़े धूमधाम से राज्यस्तरीय अंतरमहाविद्यालयीन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज परिसर में किया।

इस महोत्सव में एकल नृत्य, समूह नृत्य, एकल गायन, समूह गायन, मोनो एक्ट, माइम, स्किट, कहानी लेखन, मेहंदी, वकृत्व, रंगोली, नेल आर्ट, पोस्टर मेकिंग, व्यंग्य चित्र, हेयर स्टाइलिंग, फोटोग्राफी और बीजीएमआई जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके साथ ही 'जिगर' खेल महोत्सव का भी आयोजन कॉलेज में किया गया, जिसमें शतरंज, टेबल टेनिस और कैरम जैसे लोकप्रिय खेलों को शामिल किया गया। मुंबई, ठाणे, डोंबिवली, कल्याण, उल्हासनगर, अंबरनाथ, बदलापुर जैसे विभिन्न क्षेत्रों के कई कॉलेजों ने इन सभी प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। लगभग 400 विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने कॉलेज परिसर को 'गुंजमय' बना दिया। यहां प्रतियोगिताओं के दौरान विश्वविद्यालय स्तर की प्रतियोगिताओं जैसा माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर बोलते हुए प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी ने विद्यार्थियों को जीतने के साथ-साथ सहभागिता के आनंद का महत्व समझाया। एसएसटी कॉलेज के विद्यार्थियों ने अपने कलात्मक गुणों का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिताओं में आए प्रतिभागियों का मनोरंजन किया। प्रतियोगिताओं में विजयी विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार, ट्रॉफी और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस भव्य आयोजन में कॉलेज प्रबंधन ने विशेष सहयोग प्रदान किया। 'गुंज' का नारा द वॉयस ऑफ युथ सही मायनों में आज कॉलेज में गूंजता हुआ महसूस हुआ। पूरे कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी 'संजीवनी सांस्कृतिक विभाग' के समन्वयक डॉ. तुषार वाकसे, क्रीडा संचालक प्रा.राहुल अकुल ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर सफलतापूर्वक निभाई।

प्रदेश कांग्रेस सेवादल कार्यकारिणी की बैठक

संगठनात्मक ढांचे को मजबूत बनाने का संकल्प

मुंबई. महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस सेवा दल की कार्यकारिणी बैठक गत दिनों गांधी भवन, कुलाबा, मुंबई में सपन्न हुई. बैठक की अध्यक्षता अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल की महाराष्ट्र प्रभारी संध्या पुरोहित ने की. इस बैठक में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के कार्याध्यक्ष राकेश शेट्टी, उत्तर महाराष्ट्र, पश्चिम महाराष्ट्र, और कोंकण क्षेत्र के जिला अध्यक्ष उपस्थित थे. कांग्रेस सेवा दल, महिला सेवा दल और यंग ब्रिगेड के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और अन्य

पदाधिकारी भी बैठक में मौजूद थे. यंग ब्रिगेड का प्रतिनिधित्व सुदीप चाकोते ने किया. बता दें कि बैठक में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस सेवा दल की आगामी योजनाओं, संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक कदमों पर विस्तृत चर्चा की गई.

प्रशिक्षण शिविर आयोजित

समाज के हर वर्ग तक सेवा दल के कार्यों को पहुँचाने और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का निर्णय लिया गया. कार्याध्यक्ष राकेश शेट्टी ने घोषणा की कि महाराष्ट्र के हर जिले में सेवा दल का 3- दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें 500 सेवा दल कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा

टोरेस मामला : अभी तक 3 आरोपी गिरफ्तार

मुंबई. दादर स्थित एक पोंजी स्कीम चलाने वाली निजी कंपनी के दो निदेशकों और तीन वरिष्ठ अधिकारियों पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया. कम से कम सात निवेशकों ने दावा किया है कि उन्होंने पोंजी स्कीम में 13.48 करोड़ रुपये गंवाए हैं. इस मामले में मुंबई के शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया और अभी तक महाप्रबंधक तान्या कस्तोवा, निदेशक अशोक सर्वेश सुर्वे, स्टोर प्रभारी वैलेंटिना कुमार को गिरफ्तार किया गया है.

उल्हासनगर महानगरपालिका,
वाहन विभाग
ई-निविदा सूचना क्र. उमपा/ वाहन/02/24-25

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर यांनी उत्पादक / अधिकृत विक्रेते, कंपनी कायद्यांतर्गत नोंदणीकृत कंत्राटदारांकडून ऑनलाईन ई निविदा उल्हासनगर महानगरपालिकेकरीता 3 वर्षासाठी चार चाकी इलेक्ट्रीक/पेट्रोल/डीझेल/सी.एन.जी वाहने व इतर वाहने वाहनचालकासह भाडेतत्वावर पुरवठा करणेसाठी ई टेंडर प्रक्रियाद्वारे दोन लिफाफा पध्दतीने जाहिर निविदा https://mahatender.gov.in या वेबसाइट वरुन मागवित आहे. या वेवसाईट वरून मागवित आहे.

अ. क्र.	कामांचे नांव	वार्षिक अंदाज पत्रकीय निविदा रक्कम रुपये	निविदा अनामत रक्कम (EMD)	कोरी निविदा फॉर्म फी	सुरक्षा अनामत रक्कम	निविदा कालावधी
1	उल्हासनगर महानगरपालिके करीता चार चाकी इलेक्ट्रीक/ पेट्रोल/डीझेल / सी.एन.जी वाहने व इतर वाहने वाहनचालकासह भाडेतत्वावर पुरवठा करणेबाबत. (3 वर्षाकरिता)	रु. २,६७,५९,०४०/-	रु. २,६८,०००/-	(२७००० + ४८६०) (18% GST) = रु. ३१८६०/-	निविदा कार्यादेशाच्या किंमतीवर 3% टक्के	१२० दिवस

Please Note: All bid related activities (Process) like Tender Document Download, Bid Upload/Submission, and Online Transfer of Custody of Bid will be governed by the time schedule given under Key dates below:

Schedule of Tender

वेळापत्रक :- निविदा प्रक्रियेबाबतचे वेळा पत्रक खालील प्रमाणे आहे.

Sr. No.	Activities	Start Date & Time Expiry Date & Time
1	Online Tender Document Download	09-01-2025 11:00 Hrs To 29-01-2025 17:00 Hrs
2.	Online Bid Upload/Submission	09-01-2025 15:00 Hrs To 29-01-2025 17:00 Hrs
3.	Online Tender Opening	30-1-2025 17:01 Hrs

१) निविदा विक्री व स्विकृती दि. ०९/०१/२०२५ ते २९/०१/२०२५ रोजी सायंकाळी १७:०० वाजेपर्यंत राहील. २) सदर निविदेची सविस्तर माहिती https//www.mahatenders.gov.in या वेबसाईटरवरुन विक्री व स्विकृती करता येतील. 3) निविदा पूर्व बैठक दिनांक १५/०१/२०२५ रोजी दुपारी २:३० वाजता अति.आयुक्त (१) उल्हासनगर महानगरपालिका यांच्या दालनात घेतली जाईल. आलेल्या एक अथवा सर्व निविदा कोणतेही कारण न देता नाकारण्याचा अधिकार आयुक्त उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर यांनी राखुन ठेवलेला आहे.

सही/-
(जमीर लेंगरेकर)
अति. आयुक्त (१)
उल्हासनगर महानगरपालिका

जा.क्र. उमपा / पीआरओ / १८/२०२५
दिनांकः ०८/०१/२०२५

नयनतारा को चंद्रमुखी के मेकर्स ने भेजा लीगल नोटिस

■ **डॉक्यूमेंट्री में बिना इजाजत फिल्म के फुटेज इस्तेमाल किए**

साउथ की लेडी सुपरस्टार नयनतारा पिछले लंबे समय से अपनी डॉक्यूमेंट्री बियॉन्ड द फेयरीटेल के चलते विवादों से घिरी हुई हैं। ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है, जिसके बाद से ही एक्ट्रेस कानूनी पचड़ों में फंस रही हैं। कुछ समय पहले धनुष ने एक्ट्रेस के खिलाफ लीगल एक्शन लिया था, अब फिल्म चंद्रमुखी के मेकर्स ने नयनतारा को लीगल नोटिस भेजा है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म चंद्रमुखी के मेकर्स ने नयनतारा और नेटफ्लिक्स दोनों को लीगल नोटिस भेजा है। आरोप हैं कि नयनतारा ने अपनी शादी की डॉक्यूमेंट्री में साल 2005 में रिलीज हुई फिल्म चंद्रमुखी के फुटेज बिना इजाजत के इस्तेमाल किए हैं। चंद्रमुखी के मेकर्स ने नेटफ्लिक्स और एक्ट्रेस से 5 करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग की है। फिलहाल इस संदर्भ में नयनतारा की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया है।

चंद्रमुखी के मेकर्स से पहले एक्टर धनुष ने भी नयनतारा को उनकी फिल्म नानुम राउडी धाम के सीन बिना इजाजत इस्तेमाल करने पर लीगल नोटिस भेजा था। 10 करोड़ के मुआवजे की मांग वाला लीगल नोटिस मिलने के बाद नयनतारा ने सोशल मीडिया पर धनुष की जमकर आलोचना की और उन्हें कई बातें सुनाईं।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099